

पंचमं स्कन्दमातेति

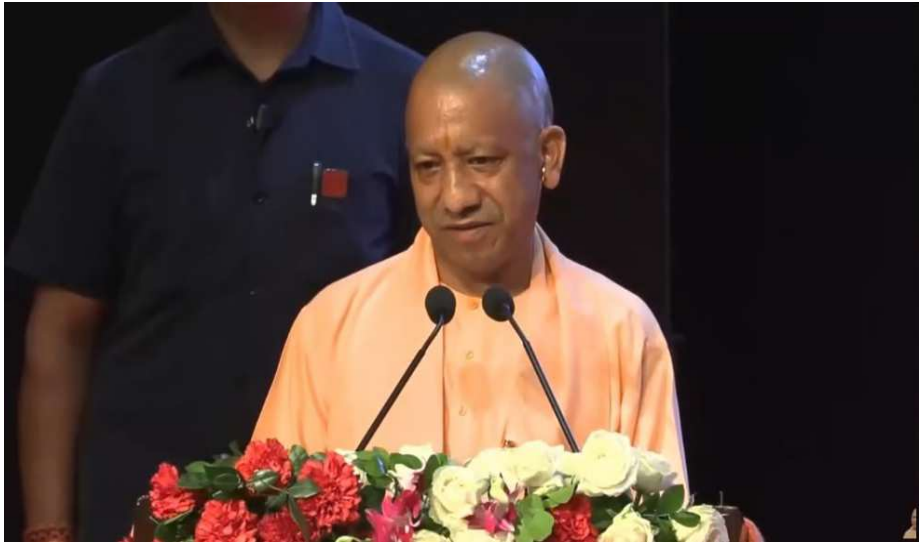
ओम ऐं ह्रीं क्लीं

स्कंदमतायै नमः

देवी माँ का पाँचवां रूप स्कंदमाता के नाम से प्रचलित है। भगवान कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं। स्कन्द इन्होंने दोनों के मिश्रण का परिणाम है। स्कन्दमाता वह दैवीय शक्ति हैं, जो व्यवहारिक ज्ञान को सामने लाती हैं – वह जो ज्ञान को कर्म में बदलती हैं। शिव तत्व आनंदमय, सदैव शांत और किसी भी प्रकार के कर्म से परे का सूचक है। देवी तत्व आदिशक्ति सब प्रकार के कर्म के लिए उत्तरदायी है। ऐसी मान्यता है कि देवी इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति का समागम है। जब शिव तत्व का मिलन इन त्रिशक्ति के साथ होता है तो स्कन्द का जन्म होता है। स्कंदमाता ज्ञान और क्रिया के स्रोत, आरम्भ का प्रतीक है। इसे हम क्रियात्मक ज्ञान अथवा सही ज्ञान से प्रेरित क्रिया या कर्म भी कह सकते हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि ज्ञान तो है, किंतु उसका कुछ प्रयोजन या क्रियात्मक प्रयोग नहीं होता। किन्तु ज्ञान ऐसा भी है, जिसका ठोस प्रयोजन, लाभ है, जिसे क्रिया द्वारा अर्जित किया जाता है। आप स्कूल, कॉलेज में भौतिकी, रसायन शास्त्र पढ़ते हैं जिसका प्रायः आप दैनिक जीवन में कुछ अधिक प्रयोग नहीं करते हैं। और दूसरी ओर चिकित्सा पद्धति, औषधि शास्त्र का ज्ञान दिन प्रतिदिन में अधिक उपयोग में आता है। जब आप टेलीविजन ठीक करना सीख जाते हैं तो अगर कभी वह खराब हो जाए तब आप उस ज्ञान का प्रयोग कर टेलीविजन ठीक कर सकते हैं। इसी तरह जब कोई मोटर खराब हो जाती है और यदि आप उसे ठीक करना जानते हैं तो उस ज्ञान का उपयोग कर उसे ठीक कर सकते हैं। व्यवहारिक ज्ञान है। अतः स्कन्द सही व्यवहारिक ज्ञान और क्रिया के एक साथ होने का प्रतीक है। स्कन्द तत्व मातृ देवी का एक और रूप है। हम अक्सर कहते हैं, कि ब्रह्म सर्वत्र, सर्वव्यापी है, किंतु जब आपके सामने कोई चुनौती या मुश्किल स्थिति आती है, तब आप क्या करते हैं अतः जब आपका कर्म सही व्यवहारिक ज्ञान से लिस होता है तब स्कन्द तत्व का उदय होता है। और देवी दुर्गा स्कन्द तत्व की माता हैं।

सीएम योगी ने पूर्व राष्ट्रपति की पुस्तक का किया विमोचन, बोले- अभावों को ढाल नहीं, संघर्ष का मार्ग बनाया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बड़ा वह होता है जिसमें संघर्षों से लड़ने की क्षमता होती है। सम-विषम परिस्थितियों से जूझने की क्षमता होती है। यही वह जज्बा था जिसने रामनाथ कोविंद जी को महानता के शिखर पर पहुंचाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की गरिमामयी उपस्थिति में उनकी आत्मकथा ‘भारतीय गणतंत्र की विजयगाथा: मेरा जीवन, मेरा संघर्ष’ का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति के जीवन को अभावों से संघर्ष करते हुए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की प्रेरणादायी यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि रामनाथ कोविंद ने अभावों को ढाल नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और संघर्ष करने का मार्ग बनाया। उन्होंने परिश्रम, पुरुषार्थ और दृढ़ संकल्प के बल पर अपने जीवन की दिशा तय की। उनका जीवन देश के युवाओं और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविंद का आगमन हमेशा प्रदेशवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश उनकी जन्मभूमि भी है और उनकी कर्मसाधना की भूमि भी। यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि जिस आत्मकथा का पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विमोचन किया गया था, उसका हिंदी रूपांतरण अब उनकी पावन जन्मभूमि वाले प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विमोचित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविंद की आत्मकथा एक ऐसे भारतीय की कहानी है, जिसने जीवन की कठिनाइयों को प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया। परींख गांव के एक अत्यंत गरीब परिवार में जन्म लेने वाले रामनाथ कोविंद के सिर से बचपन में ही मां का साया उठ गया था। इसके



बावजूद उन्होंने अभावों को कभी पलायन का कारण नहीं बनने दिया और न ही अपनी परिस्थितियों को किसी से कुछ मांगने का आधार बनाया। उन्होंने गांव के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, फिर उच्च शिक्षा अर्जित की और अधिवक्ता के रूप में वंचितों-गरीबों की आवाज बने। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रवादी विचारधारा और सार्वजनिक जीवन को अपने संघर्ष का हिस्सा बनाया। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य एवं पदाधिकारी के रूप में राजनीतिक यात्रा शुरू करने के बाद वह राज्यसभा के सदस्य बने, बिहार के राज्यपाल पद पर पहुंचे और अंततः भारत के राष्ट्रपति के रूप में सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविंद की यात्रा हमें बताती है

करोड़ भारतवासियों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व किया। उन्हें जो भी दायित्व मिला, उसका निर्वहन उन्होंने सहजता, सरलता और भारतीय जनभावनाओं के अनुरूप किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविंद की विशेषता केवल सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचना नहीं है, बल्कि अपनी जन्मभूमि, गांव और पुराने संबंधों के प्रति उनका अनुराग भी है। उन्हें परींख गांव जाने का कई बार अवसर मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी उनके गांव पहुंच चुके हैं। जन्मभूमि के प्रति अनुराग रखना प्रत्येक भारतीय के जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार होना चाहिए। राष्ट्रपति पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद भी रामनाथ कोविंद जब अवसर मिलता है, पुराने साथियों से मिलने पहुंचते हैं। कानपुर आने पर वह अपने गांव की ओर रुख करते हैं और लखनऊ आने पर पुराने परिचितों से मिलना नहीं भूलते। चाट वाले, चाय वाले, कपड़े वाले और दूसरे पुराने परिचितों के साथ उनके संबंध आज भी बने हुए हैं। उनका जीवन हमें अपनी जन्मभूमि के प्रति प्रेम और कृतज्ञता का संदेश देता है। व्यक्ति जीवन में कितनी भी ऊंचाई प्राप्त कर ले, उसे अपने मूल, अपने गांव, अपने समाज और उन लोगों को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने उसकी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवान राम का उदाहरण देकर

समझाया जन्मभूमि का महत्व- मुख्यमंत्री ने अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लंका विजय के बाद जब लक्ष्मण सोने की लंका देखकर वहां कुछ समय रुकने की बात करते हैं, तब भगवान श्रीराम उन्हें अपनी जन्मभूमि और मातृभूमि का महत्व समझाते हैं। भगवान श्रीराम कहते हैं- ‘अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।’ अर्थात् सोने की लंका भी उन्हें आकर्षित नहीं करती, क्योंकि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। राष्ट्रपति के रूप में दुनिया में प्रभावी ढंग से रखा भारत का पक्ष-मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति के रूप में देश के विभिन्न राज्यों और दुनिया के अनेक देशों की यात्राएं कीं। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने प्रभावी ढंग से भारत का पक्ष रखा और दूसरे देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने में योगदान दिया। उनका सार्वजनिक जीवन संवैधानिक मर्यादा, सहज व्यवहार और देश के प्रति समर्पण का उदाहरण है। गांव से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की उनकी यात्रा इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति और परिश्रम के बल पर बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है।

हिंद महासागर से साइबर सुरक्षा तक: भारत-आसियान मिलकर करेंगे रक्षा की नई तैयारी, रक्षा मंत्री ने रखा रोडमैप

नई दिल्ली में आयोजित आसियान-भारत रक्षा थिंक टैंक फोरम में राजनाथ सिंह ने भारत-आसियान रक्षा सहयोग को व्यावहारिक रूप देने के लिए समुद्री सुरक्षा, ड्रोन रोधी तकनीक, साइबर रक्षा, आपदा प्रबंधन और रक्षा उत्पादन में संयुक्त शोध व परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और आसियान देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के लिए संयुक्त शोध, तकनीकी साझेदारी और समुद्री सुरक्षा पर मिलकर काम करने का प्रस्ताव रखा है। बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित आसियान-भारत रक्षा



थिंक टैंक फोरम में उन्होंने कहा कि आतंकवाद, साइबर अपराध, समुद्री चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सभी देशों को साथ आना होगा। उन्होंने जोर दिया कि फोरम की चर्चा केवल विचारों तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसे ठोस सुझाव सामने आएँ, जिन्हें सरकारें और संस्थान मिलकर लागू कर सकें।

सदियों पुराने रिश्तों से मजबूत होगी साझेदारी- राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के संबंध सदियों पुराने हैं। बंगाल की खाड़ी के समुद्री रास्तों से दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, ज्ञान, कला और संस्कृति का आदान-प्रदान होता रहा है। चोल और पल्लव जैसे भारतीय राजवंशों के भी इस क्षेत्र से समुद्री और व्यापारिक संबंध थे। उन्होंने कहा कि यही साझा विरासत आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए मजबूत आधार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की एकट ईस्ट नीति, सागर और महासागर की परिकल्पना खुले

और बहुध्रुवीय सहयोग को बढ़ावा देती हैं। आसियान भारत की हिंद-प्रशांत नीति का अहम हिस्सा है। (ADMM-Plus) जैसे मंचों को मजबूत करने और क्षेत्रीय मंचों के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग बढ़ाने की बात कही। उन्होंने देशों से संप्रभुता का सम्मान करने, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और मतभेदों को बातचीत से सुलझाने की अपील की। सिंह ने कहा कि हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशिया के समुद्री रास्ते व्यापार, ऊर्जा और जरूरी सामान की आवाजाही के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मायावती बोलीं- सरकारी भर्ती में एनआरएचएम सविदाकर्मियों को भी नियमित करें, मिले स्थायी नौकरी का अवसर

उत्तर प्रदेश में अगले छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा के बाद बसपा ने सविदाकर्मियों को नियमित करने की मांग उठाई है। पार्टी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पात्र कर्मचारियों को स्थायी नौकरी का अवसर देने की अपील की। ये कर्मचारी लखनऊ में नियमितीकरण समेत अन्य मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अगले छह महीने में एक लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने लंबे समय से अस्थायी रूप से काम कर रहे कर्मचारियों को भी नियमित करने की मांग उठाई है। पार्टी का कहना है कि सरकारी भर्ती की प्रक्रिया में उन कर्मचारियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जो विभिन्न विभागों में वर्षों से सविदा और आउटसोर्सिंग के आधार पर



सेवाएं दे रहे हैं। बसपा ने विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत लंबे समय से कार्यरत सविदाकर्मियों को स्वास्थ्य विभाग में नियमित करने की मांग की है। पार्टी के मुताबिक, ये कर्मचारी अपने स्थायीकरण समेत अन्य मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से लखनऊ के मान्यवर श्री कांशीराम जी ईको गार्डन के पास धरने पर बैठे हैं। आउटसोर्सिंग और सविदा व्यवस्था पर उठाए सवाल- बसपा ने कहा कि सरकारी तंत्र में आउटसोर्सिंग और सविदा

के आधार पर कर्मचारियों से लंबे समय तक काम लेने की व्यवस्था शोषणकारी है। पार्टी का मानना है कि वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को स्थायी रोजगार का अवसर मिलना चाहिए। पार्टी ने सरकार से मांग की कि अगले छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरियां देने की प्रक्रिया के दौरान एनआरएचएम के सभी पात्र सविदाकर्मियों के नियमितीकरण पर भी विचार किया जाए। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई हो सकेगी।

तिरंगा फहराने पर युवाओं को जेल में डालना कायस्ता: सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी पर बोले राहुल

राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के मामले में सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी को कायरता बताया है। बता दें कि सीजेपी के सौरव दास और आशुतोष रांका दोनों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांक्रोज जनता पार्टी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन कि न्यायिक हिरासत में भेजने पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कायस्तापूर्ण काम है। राहुल गांधी



ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराना कोई जुर्म नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता है। उन्होंने कहा कि छात्र, युवा, पत्रकार और INDIA गठबंधन अलग-अलग बैनर के तहत भले ही प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन उनकी मांग एक ही है। सभी नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने यह पोस्ट सीजेपी के सौरव

दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत को लेकर की है। पार्टी के सदस्य अजिंक्य शिंदे के मुताबिक, जंतर-मंतर के पास प्रदर्शन के दौरान दोनों को हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी इसकी पुष्टि की और सवाल उठाया कि आखिर तिरंगा फहराना उनका अपराध कैसे हो गया? अभिजीत दिपके ने सरकार को दी खुली चुनौती – वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा कि अगर सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए इतनी ही दृढ़ है, तो उसे आपातकाल घोषित करने का साहस दिखाना चाहिए।

सीमा पर गड़बड़ी हुई तो भुगतने होंगे नतीजे:जयशंकर की चीन को दो टूक

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए सीमा पर शांति और स्थिरता जरूरी है। उन्होंने सीमा पर गड़बड़ी के गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी। इसके साथ ही उन्होंने भारत और चीन व्यापार के बारे में भी बात की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत और चीन के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए %लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल% (एलओसी) का स्थिर होना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर किसी भी तरह



की गड़बड़ी के नतीजे भुगतने होंगे। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को बढ़ाने को सीमा पर शांति और स्थिरता से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, %हम चीन से यही कहते हैं। अगर आप सामान्य रिश्ते चाहते हैं, अगर बाकी रिश्ते आगे बढ़ने हैं, तो यह सामान्य समझ की बात है। यह साफ है कि सीमा स्थिर होनी चाहिए

और हमें सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता की जरूरत है। %ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि 2024 के बाद से एलओसी पर हालात काफी हद तक स्थिर हो गए हैं और रिश्ते उसी हिसाब से सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में, दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में साढ़े चार साल से ज्यादा समय तक चले मिलिट्री गतिरोध से बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं। यह गतिरोध 2024 के आखिर में खत्म हुआ।

संपादकीय

Editorial

Encroachment

on the

Environmental

Map

The court's ban on the use of anti-hailguns must be understood. This order, issued in the context of research and conservation in the horticulture sector, is opening the floodgates of environmental protection. Science's selfish approach to environmental balance often leads to community problems. In this case, the clouds driven by the thundering hailguns moved elsewhere and caused heavy rains, thus transferring moisture from one place to another. However, as a sign of the vicious cycle of disaster, the use of anti-hailguns is being discontinued. For nearly fifteen years, anti-hailguns have been a solution to the wounds of the apple economy, but this science-based tool has turned the clouds to hail in another place. If nature's traditional nature is disturbed by science, then while saving one crop, we will destroy many others. However, in this context, the Horticulture University must find a way to advance its research. The impact of every aspect of development in Himachal is creating challenges for the environment. This is being reflected in urbanization, transportation, tourism, and the expansion of residential settlements. As soon as the headquarters of the Himachal Pradesh Real Estate Regulatory Authority moved to Dharamshala, the construction headlines began to change. The surge in plotting due to residential demand revealed that the areas are illegal. If land is being sold without proper assessment of the mountainous and geographical conditions, then an investigation is necessary. People living near ravines and streams are already facing disasters, so now such negligence in the name of new settlements must be stopped. However, RERA's files have taken a strict stance in detecting harmful signs of new construction, which has put some projects on hold. Here, urban development plans, modeled after RERA, will have to strengthen the hands of municipalities to take strong steps towards development, while new options will have to be developed based on demand surveys conducted under HIMUDA. Another pressure for environmental protection is the issue of waste management in cities and rural areas. Tons of garbage littering the entire state are proving environmentally hazardous, while encroachment on rivers, drains, ravines, and wells flowing close to urban areas has further exacerbated the situation. Development is visible on the state's environmental map, while JCB machines have shattered the very principles of reconstruction. Besides construction, the growing population and tourist influx must be analyzed against the carrying capacity of cities, tourist, and religious sites. Recently, a surge of tourists due to the long weekend proved counterproductive to the mountain landscape. The trekking crowds to Triund in Dharamshala not only destroyed both purpose and peace, but also devastated the environment. The National Green Tribunal (NGT) occasionally issues strict instructions against the expanding tentacles of the tourism industry, but the state has yet to formulate clear guidelines and roadmaps in this regard.

Birth is a beginning, not a final decision:

where we end up is the real story.

Our story isn't just shaped by our birth. It's also shaped by how we make the most of the opportunities available to us, how we understand our limitations, and what paths we find for ourselves in changing circumstances. Imagine two children born on the same day in the same city. One was born into a wealthy family, while the other was born into a very poor family. The first child's room contains toys, along with a map of the world. The second child's room doesn't have toys, but the street view from the window makes him experience a new world every day. Twenty years later, the first young man is studying at a prestigious university abroad. The second is supporting his family with a small job. If someone were to compare the lives of the two now, they would probably say that the first's future is bright, while the second's is limited. However, the greatest thing about life is that it doesn't show the last page of its story at the beginning. We often start predicting the future based on current circumstances. The assumption that a child from a wealthy family will succeed, while a child from a poor family will struggle, is not unfounded, because birth and social circumstances influence a person's opportunities. However, the difference in opportunities and the certainty of the future are two different things. Birth plays a major role in determining where we begin, but it does not determine where our journey will end. A child who receives a good education, financial security, and proper guidance gains a real advantage in life. Meanwhile, for a child raised in poverty, even a small mistake can cause significant hardship. This difference is real. But does this mean that the first child's success is assured and the second's failure? No. It only means that the journeys of both will not be the same. We often measure our success by looking at others. In such a situation, the circumstances of birth appear even more crucial. Those who are already well-off can advance quickly, while those with limited resources may have to struggle. But should the value of life be determined solely by this comparison? We cannot change our birth. We can't rewrite the past. But we can understand the present and work on future possibilities. Our story isn't just shaped by where we were born. It's also shaped by how we used the opportunities available to us, how we understood our limitations, and what paths we found for ourselves in changing circumstances. So, instead of being proud or ashamed of our birth, accept it as a reality of life. Write your own story. Where we are born is not in our control, but our efforts largely determine where we go from there. Circumstances can make opportunities bigger or smaller, but not possibilities. Don't judge your future by looking at others. Accept the past, utilize the present wisely, and continue striving for the future.

Tarawadi Ghat: A Battle

Defeat That Became a Proverb

In Haryana, when someone is ruined, they say, "Tarawadi Ghat" (killed). Behind this lies the story of a historic, bloody battle. Countless vehicles pass daily on the national highway passing through those lush fields near Karnal. Passengers in them must have noticed a small green board that reads "Tarawadi." This name hardly evokes any memories. However, even today, in the villages and towns of Haryana, when someone suffers great loss or is completely ruined, people involuntarily exclaim, "Tarawadi Ghat." This is the same Tarawadi, also known in historical sources as Tarain, where a fierce battle took place between Mohammad Ghori and Prithviraj Chauhan in 1191 AD. Prithviraj won the battle, but could not completely defeat Mohammad Ghori. According to the book Tabaqat-i-Nasiri, Ghori increased his military strength. His army was once again on the battlefield of Tarain in 1192 AD. Prithviraj sent a message to Muhammad Ghori that if he withdrew, the conflict could be stopped. Neither side would attack until the agreement was reached. According to the historian Firishta, Ghori understood that he could not defeat the Rajputs in a direct battle. He quietly prepared for an attack. According to the book Jawami-ul-Hikayat, Ghori lit bonfires in his military camp. The Rajputs thought Ghori's army was resting. Meanwhile, Ghori attacked the sleeping Rajput army at night. When Prithviraj prepared for battle, Ghori's army fled. This was also a ruse. Ghori's army intercepted the pursuing Rajputs, and in the decisive battle that ensued, Prithviraj's army was defeated. After this, Muhammad Ghori wreaked havoc across northern India. Historian S. Lane-Poole writes, "The Second Battle of Tarain shattered India's self-respect. It took a long time for the Rajputs to recover from this defeat. The impact was so widespread that a proverb became used to describe the loss... the ghats of Taraori were killed."

Attack on Double Standards



It seems that the leaders of the United Nations Human Rights Office did not even consider the root of the concerns they expressed regarding the issue in India. India dismissed the UN Human Rights Office's concerns. India strongly objected to the organization's double standards. The organization remained silent on human rights violations in Pakistan-occupied Kashmir. The UN Human Rights Office's concerns regarding the necessary police action against the Cockroach Janata Party's unauthorized protest in Delhi were of no value. The organization's concerns needed to be dismissed. It was good that India did so bluntly and also advised them to abandon their double standards. The way this organization expressed its concerns regarding police action to maintain law and order reveals its biased attitude towards India, the world's largest democratic country. The problem is not limited to this. The problem is also that it chooses to remain silent on much more serious incidents and brutal human rights violations. For example, in Pakistan-occupied Jammu and Kashmir, people have been subjected to brutal repression and oppression for a long time. This is even when they are demanding their legitimate rights. Those demanding these rights have been brutally fired upon, resulting in numerous deaths. The UN Human Rights Office has maintained silence on the events unfolding in Balochistan, Pakistan. Similarly, it does not see the need to comment on the case of Imran Khan, who has been imprisoned for more than three years and deprived of basic amenities there. This is not unique to Pakistan. The organization finds nothing objectionable in the far harsher police action against protesters in European countries. It is also difficult to understand why it is unwilling to express concern about the atmosphere of hatred being created against immigrants living legally in the United States and Europe. Recently, large-scale violence occurred in France, and even schools were burned, yet it remained silent. It seems that the person in charge of this UN Human Rights Office did not even bother to examine and understand the root of the concerns it expressed about the Indian issue. It should be aware that the constitutional body, the is carrying out a massive process of purging voter lists, against which those who took to the streets are waging a campaign of misinformation. The fact is that this process is being heard by the Supreme Court. This organization also ignored how a large number of former Indian bureaucrats and judges are actively defending the Election Commission's process as necessary and appropriate.

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई

40 गांवों में चकबंदी प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश, लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए बनेगी 100 दिवसीय कार्ययोजना

बैठक के दौरान जिले में प्रस्तावित स्वास्थ्य उपकेन्द्रों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा के दौरान सीएमओ ने बताया कि 101 के सापेक्ष 47 उपकेंद्रों के लिए भूमि प्राप्त हो गई है। जिलाधिकारी ने शेष 54 उपकेंद्रों के लिए जमीन उपलब्धता हेतु तहसील और ग्रामवार आवश्यकता का विवरण भेजने के लिए निर्देशित किया। ओरल कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के संभावित मरीजों को चिन्हित करने में संवेदनशीलता न बरतने पर जिलाधिकारी ने सभी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को सख्त हिदायत देते हुए गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। डीपीएम और डीसीपीएम के लापरवाह रवैए पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि डेटा फीडिंग एवं अन्य कार्यों में लापरवाही पर वेतन रुकेगा। जिला चिकित्सालय (पुरुष), जिला महिला चिकित्सालय, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाई और सभी सीएचसी में क्यूआर कोड सार्वजनिक रूप से चस्पा कराया जाए ताकि आमजन को पर्चा बनवाने के दौरान भुगतान के लिए असुविधा का सामना न करना पड़े। बिलारी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ट्रायज बनाया जाएगा ताकि मरीजों की अधिकता के बावजूद



भी जरूरतमंद मरीजों को तत्काल उपचार मिलने में कोई दिक्कत न हो। जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव कराने में उदासीनता बरतने वाली आशाओं को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश सभी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को दिए। जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत तैनात 19 टीमों में से सबसे खराब प्रगति वाली टीमों को चिन्हित करके नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, ई संजीवनी, एम्बुलेंस सेवाएं, क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नेत्र ज्योति अभियान आदि के बारे में विस्तृत समीक्षा की। बैठक में

मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह के साथ-साथ समिति से संबंधित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे। तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित 97 मुकदमों सहित कुल 3,690 मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर चकबंदी लेखपालों की कार्यशैली में लापरवाही मिलने पर होगी एफआईआर, किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के 40 गांवों में प्रभावी

चकबंदी प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण कराने तथा लंबित मुकदमों की सुनवाई करते हुए उनका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने चकबंदी प्रक्रिया की प्रगति, लंबित मुकदमों की स्थिति तथा किसानों की समस्याओं के निस्तारण की समीक्षा की। एसओसी चकबंदी ने अवगत कराया कि वर्तमान में चकबंदी से संबंधित कुल 3,690 मुकदमे लंबित हैं, जिनमें 97 मुकदमे ऐसे हैं, जो तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सभी चकबंदी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित

मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए 100 दिवसीय कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी ढंग से लागू की जाए। प्रत्येक मुकदमे में नियमित सुनवाई करते हुए नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से लंबे समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए उनके निस्तारण में तेजी लाई जाए, ताकि किसानों एवं संबंधित पक्षकारों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारी आगामी समीक्षा बैठक में इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उनके क्षेत्र में वरासत से संबंधित सभी प्रकरणों का नियमानुसार निस्तारण कर दिया गया है। धान खरीद के अंतर्गत सत्यापन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चकबंदी लेखपालों की कार्यशैली में अनियमितता अथवा नियमों की अनदेखी की पुष्टि होने पर संबंधित लेखपाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि धान खरीद से संबंधित

सत्यापन कार्य पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं नियमानुसार किया जाए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने चकबंदी अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मिकों के कार्यों की नियमित एवं प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि चकबंदी से संबंधित मामलों में अनावश्यक देरी न हो और ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। एसओसी चकबंदी ने बताया कि वर्तमान में जनपद के 40 गांवों में चकबंदी प्रक्रिया प्रभावी है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन सभी गांवों में चकबंदी अधिकारी निर्धारित दिवसों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनें तथा चकबंदी से संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार समाधान कराएं। बैठक में एडीएम प्रशासन श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती वंदना मिश्रा सहित चकबंदी विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत 400 परिषदीय विद्यालयों में चला विशेष सफाई अभियान



आगामी चार दिनों तक लगातार जारी रहेगा स्वच्छता अभियान,

विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के आसपास सफाई पर विशेष जोर जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के निर्देश पर जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित परिषदीय विद्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालय परिसरों एवं उनके आसपास व्यापक स्तर पर साफ-सफाई कराई जा रही है, ताकि स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के साथ ही संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें। जिला पंचायत राज अधिकारी श्री आलोक शर्मा

ने बताया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक करीब 400 परिषदीय विद्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाकर व्यापक स्तर पर स्वच्छता संबंधी कार्य कराए गए हैं। अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसरों में उगी घास एवं झाड़ियों की सफाई के साथ ही आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगामी चार दिनों तक लगातार जारी रहेगा। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित परिषदीय विद्यालयों के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्रों के परिसरों एवं उनके आसपास भी बेहतर

साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही गंदगी और झाड़ियों के कारण उत्पन्न होने वाली संभावित समस्याओं को दूर करना है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को भी अपने घरों और आसपास के स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। लोगों को

साफ-सफाई के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के निर्देशानुसार जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष सफाई अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में साफ-सुथरा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

फौजी से शादी का सपना टूटा तो रखी खूनी साजिश, शिक्षिका पर तेजाब फिंकवाने वाले महिला और प्रेमी को उम्रकैद

संभल के नखासा थाना क्षेत्र में 2025 में शिक्षिका पर तेजाब हमला कराने के मामले में अदालत ने जाह्वी उर्फ अर्चना और उसके प्रेमी नीशू को उम्रकैद की सजा सुनाई है। फौजी से रिश्ता तय होने पर नाराज जाह्वी ने अपने दूसरे प्रेमी नीशू से शिक्षिका पर तेजाब फिंकवाया था। अदालत ने नीशू पर 1.20 लाख और जाह्वी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फौजी प्रेमी से रिश्ता तय होने पर नखासा थाना क्षेत्र में 2025 में शिक्षिका पर एसिड अटैक कराने के मामले में दोषी महिला और उसके दूसरे प्रेमी को अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट के न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है।



साथ ही महिला पर एक लाख रुपये और उसके प्रेमी पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। नखासा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाना नखासा पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 23 सितंबर 2025 की दोपहर करीब 1=45 बजे उसकी भतीजी इंटर कॉलेज

में पढ़ाकर घर वापस आ रही थी। रास्ते में कुंडों के तालाब के पास स्कूटर से आए जिला अमरोहा के गजरीला थाना क्षेत्र के गांव तिगरी निवासी नीशू व उसके अज्ञात साथी ने भतीजी पर तेजाब फेंक दिया और भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर 25 सितंबर

2025 को आरोपी नीशू को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की विवेचना के दौरान सामने आया कि जिला गाजियाबाद के थाना मोदीनगर के मोहल्ला मंगल विहार कॉलोनी निवासी राजकुमार की पत्नी जाह्वी उर्फ अर्चना ने शिक्षिका पर अपने दूसरे प्रेमी से एसिड अटैक कराया था। जांच में सामने आया कि तीन बच्चों की मां जाह्वी का गाजियाबाद निवासी फौजी से प्रेम-प्रसंग था। जब फौजी का उसके शादीशुदा होने की जानकारी हुई तो उसने जाह्वी उर्फ अर्चना से दूरी बना ली थी। बाद में फौजी का रिश्ता शिक्षिका से हो गया था। इससे नाराज जाह्वी ने तिगरी निवासी नीशू को प्रेमजाल में फंसाकर शिक्षिका पर तेजाब फिंकवाया

था। पुलिस ने विवेचना में साक्ष्य जुटाकर नीशू और जाह्वी उर्फ अर्चना के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट रागिनी के न्यायालय में हुई। अभियोजन पक्ष से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रीता रानी ने साक्ष्यों के आधार पर बहस की। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने नीशू और जाह्वी उर्फ अर्चना को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास सजा सुनाई। साथ ही दोषी नीशू पर 1.20 लाख और जाह्वी उर्फ अर्चना पर एक लाख का जुर्माना लगाया है। पीड़िता बोली = न्याय दिलाने के लिए न्यायालय का धन्यवाद एसिड अटैक पीड़िता ने दोषियों

को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने पर न्यायालय को धन्यवाद बोला। कहा कि आज मुझे कोर्ट के माध्यम से न्याय मिला है और दोषियों को सजा हुई। कहा कि सजा दिलाने में एडीजीसी रीता रानी का सहयोग वह भुला नहीं पाएंगी। 14 गवाहों के बयान साबित हुए अहम- सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रीता रानी ने बताया कि घटना के बाद 05 नवंबर को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। दो अप्रैल 2026 को मुकदमा कोर्ट में ट्रायल पर आया। उन्होंने बताया कि इस मुकदमे में डे वाई डे के तहत हुए ट्रायल में 14 गवाहों की गवाही अहम साबित हुई। एसिड अटैक की घटना के एक साल के अंदर ही पीड़िता को न्याय मिल गया।

संक्षिप्त समाचार

सरसों के तेल में मिलावट का शक: अमरोहा में खाद्य विभाग का छापा , 3.82 लाख का तेल सील , दो नमूने जांच को भेजे

खाद्य सुरक्षा विभाग ने सरसों के तेल में रिफाईंड सोयाबीन ऑयल मिलाकर बेचने और रंग मिलाने की शिकायत पर दो स्थानों पर छापा मारा। गुरु कृपा परिसर से 3.46 लाख रुपये से अधिक का रिफाईंड सोयाबीन ऑयल और मंडी समिति क्षेत्र से 36 हजार रुपये का करीब 200 लीटर सरसों का तेल सीज कि या ग या । दो नों स्थानों से न मू ने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। सरसों के तेल में रिफाईंड सोयाबीन ऑयल मिलाकर बेचने और रंग मिलाने की शिकायतों पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने औचक निरीक्षण किया। टीम ने गुरु कृपा के परिसर से 3.46 लाख रुपये से अधिक कीमत का रिफाईंड सोयाबीन ऑयल सीज किया। वहीं, अमरोहा अड्डे के पास मंडी समिति क्षेत्र में मनोज अग्रवाल के टैंकरों की जांच के दौरान करीब 200 लीटर सरसों का तेल बिक्री के लिए भंडारित मिला। इसकी कीमत 36 हजार रुपये बताई गई है। विभागीय टीम ने तेल का नमूना लेकर संबंधित स्टॉक सील कर दिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीरा सिंह ने बताया कि शिकायतों के आधार पर गुरु कृपा के परिसर का निरीक्षण किया गया। यहां सफारी ब्रांड का रिफाईंड सोयाबीन ऑयल मिला। पैकेजिंग और लेबलिंग में भी कमियां पाई गईं। सरसों के तेल में रिफाईंड सोयाबीन ऑयल मिलाकर बेचने की शिकायत के मद्देनजर तेल का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। मौके पर कारोबारी ने अमरोहा की अन्य दुकानों पर तेल की आपूर्ति से संबंधित बिल भी प्रस्तुत किए। मौके पर 346425 रुपये के तेल का स्टॉक सील कर दिया। साथ ही कमियों को तीन कार्यदिवस में दूर करने के निर्देश दिए हैं। दूसरी कार्रवाई सब्जी मंडी अमरोहा अड्डा के पास मंडी समिति के निकट की गई। यहां मनोज अग्रवाल के लगभग एक-एक हजार लीटर क्षमता वाले तीन टैंकर मिले। इसमें एक टैंकर में रिफाईंड सोयाबीन ऑयल और दो में सरसों का तेल के थे। खुले तेल की बिक्री के लिए अपेक्षित लाइसेंस या पंजीकरण नहीं दिखाया गया। मौके पर केवल खुदरा विक्रेता का लाइसेंस मिला। जांच के दौरान एक टैंकर में करीब 200 लीटर सरसों का तेल बिक्री के लिए रखा मिला। इसकी अनुमानित कीमत 36 हजार रुपये थी। विभाग ने तेल का नमूना लेकर संबंधित स्टॉक सील कर दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीरा सिंह ने बताया कि दोनों स्थानों से लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रसोई का बजट बिगड़ा: दीपावली से पहले महंगाई के दीये जले, सरसों का तेल 210 रुपये लीटर पहुंचा

सरसों के तेल की कीमत दस दिनों में 160 रुपये से बढ़कर 200 से 210 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। कारोबारियों के मुताबिक, कम उत्पादन, सरसों की बढ़ती मांग और लागत में इजाफा दाम बढ़ने की प्रमुख वजहें हैं। कीमतों में तेजी से रसोई का बजट बिगड़ रहा है और दिवाली पर दीये जलाना भी महंगा होने की आशंका है। सरसों के तेल की कीमत में अचानक तेजी आ गई है। दस दिनों के भीतर सरसों का तेल 160 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 210 तक पहुंच गया है। अभी कीमतों में और इजाफा होने की बात कही जा रही है। जिस तरह से रेट बढ़े हैं उससे इस बार दिवाली पर दीये जलाना भी महंगा हो जाएगा। सरसों के तेल के बढ़े दाम ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। लगातार बढ़ती कीमतों के पीछे सरसों का कम उत्पादन तो बताया ही जा रहा है साथ ही सरसों के तेल की बढ़ी मांग भी एक वजह है। तेल कारोबारी विवेक अग्रवाल का कहना है कि पिछले दो महीनों में थोक के भाव में 15 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। उनका कहना है कि इस समय रिफाईंड का प्रयोग कम हुआ है और सरसों के तेल की मांग बढ़ी है। काली सरसों के तेल की डिमांड सबसे ज्यादा है। कटरा नाज के कारोबारी अशोक गुप्ता के मुताबिक सरसों का तेल 160 रुपये से बढ़कर 200 से 210 रुपये प्रति किलो तक हो गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अमरिया गोली हत्याकांड में मारे गए दो सगे भाइयों को मिलाकर जली तीन चिताएं

समाजवादी के पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा भी हुए शामिल



क्यूँ न लिखूँ सच / अमरिया, पीलीभीत। रामलीला कमेटी के विवाद को लेकर हुए तिहरे हत्याकांड में जान गंवाने वाले सगे कारोबारी भाइयों अंकित और मोहित का बुधवार सुबह 11 बजे भारी पुलिस सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार कर दिया गया।

श्मशान घाट पर मृतकों के बड़े भाई रोहित ने दोनों भाइयों को मुखार्पित दी। इस दौरान परिजनों और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। दोनों भाइयों की अंतिम यात्रा में सैकड़ों

की संख्या में स्थानीय व्यापारी, ग्रामीण और परिचित शामिल हुए। एक साथ दो चिताएं जलती देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

घटना को लेकर लोगों में शोक और आक्रोश का माहौल रहा। कस्बे में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए अंतिम यात्रा के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। शव यात्रा के साथ पुलिस की गाड़ियां और हथियारबंद जवान भी चलते रहे, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना

देने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री हेमराज वर्मा समेत कई राजनीतिक हस्तियां भी पहुंचीं। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांडस बंधाया और हत्याकांड में शामिल आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। रामलीला कमेटी के विवाद को लेकर हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत से अमरिया में शोक का माहौल है।

घटना के बाद से कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सतर्क है

17 और 24 अक्टूबर को सभी पोलिंग बूथों पर चलेगा विशेष अभियान, BLO और BLA मिलकर भरवाएंगे फॉर्म-6

कोई भी पात्र नागरिक न छूटे : डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर निर्वाचक नामावलियों को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने बताया कि 17 और 24 अक्टूबर को जनपद के सभी मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य छूटे हुए पात्र नागरिकों और नए युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ना है।



डीएम ने राजनीतिक दलों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सक्रिय करने की अपील करते हुए कहा कि वे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ समन्वय बनाकर काम करें। बीएलओ और बीएलए दोनों बूथों पर मौजूद रहकर नए मतदाताओं से फॉर्म-6 भरवाना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि

निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुसार कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और किसी भी अपात्र का नाम सूची में न रहे। बैठक में राजनीतिक दलों ने अपने सुझाव भी रखे, जिस पर डीएम ने त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह सहित कई अधिकारी और दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की बरेली में शुरुआत, 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप का पाएं मौका

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/बरेली। इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रसिद्ध एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड अब बरेली में भी ऑफलाइन क्लासरूम कोचिंग शुरू करेगा। बुधवार को नैनीताल रोड स्थित एक होटल में आयोजित समारोह में इसकी घोषणा की गई। इसके साथ ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। एक नवंबर को होने वाले एलन शार्प एग्जाम में शामिल होकर विद्यार्थी फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में एलन के चीफ एकेडमिक ऑफिसर सीआर चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट एवं जोनल हेड डॉ. विपिन योगी और बरेली सेंटर के मेंटर एवं सेंटर हेड डॉ. कुलदीप बालियान ने पोस्टर का विमोचन किया। सीआर चौधरी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। बरेली में शुरुआत से स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों की प्रतिभाओं को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं मिल सकेंगी। डॉ. विपिन योगी ने कहा कि बरेली में कोचिंग शुरू होने से विद्यार्थियों को अपने शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का अवसर मिलेगा। डॉ. कुलदीप बालियान



ने बताया कि यहां जेईई मेन, एडवांस्ड और नीट-यूजी के साथ कक्षा छह से दस तक के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं और ओलंपियाड की तैयारी कराई जाएगी। कक्षाएं 15 जनवरी से शुरू होंगी। विद्यार्थियों को नियमित कंप्यूटर आधारित टेस्ट, एलन ऐप से होमवर्क, ऑनलाइन डाउट समाधान और टेस्ट विश्लेषण की सुविधा भी मिलेगी। क्लासरूम कैंपस का कार्यालय सिविल लाइंस क्षेत्र में प्रभा टॉकीज के पास रामपुर गार्डन स्थित गैलैरिया बिल्डिंग के तीसरे तल पर संचालित हो रहा है। संस्थान की स्थापना 18 अप्रैल 1988 को हुई थी। एलन के अनुसार, देश के 81 शहरों

में इसके स्टडी सेंटर और 450 से अधिक शहरों में मौजूदा टेस्ट सेंटर हैं।

पोस्टर पर मुख्य अतिथि, मंच से नदारद : बल्लिया रामलीला में धर्मेन्द्र कश्यप की गैरमौजूदगी ने गरमाई बरेली की सियासत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली, बल्लिया । 64वें ऐतिहासिक श्रीरामलीला मेले का मंगलवार को संत-महंतों और भाजपा के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में भव्य उद्घाटन हुआ। आयोजन शानदार रहा, लेकिन पूरे समारोह में सबसे बड़ा कौतूहल पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप और उनकी बेटी कीर्ति कश्यप की गैरमौजूदगी को लेकर बना रहा। मेले के आधिकारिक प्रचार पोस्टर पर धर्मेन्द्र कश्यप का नाम बतौर %मुख्य अतिथि% छपा था, फिर भी उनका कार्यक्रम से दूरी बनाया स्थानीय गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। ?करीबी पहुंचे, पर पूर्व सांसद

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knslive@gmail.com

अपना प्रदेश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आगामी त्योहारों की तैयारियों एवं सुरक्षा को लेकर हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / दुर्गा पूजा, दशहरा एवं वाल्मीकि जयंती पर सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक ने विसर्जन स्थलों पर बैरिकेडिंग, नाव एवं गोताखोरों की व्यवस्था समय से पूर्ण कराने के दिए निर्देश आगामी दुर्गा पूजा, दशहरा एवं वाल्मीकि जयंती के दृष्टिगत आज गांधी सभागार में जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहारों की शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) एवं क्षेत्राधिकारियों (सीओ) से उनके क्षेत्रों में त्योहारों के आयोजन, मेला स्थलों, जुलूस मार्गों तथा विसर्जन स्थलों की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ढीले तारों और विद्युत खंभों को समय से दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने मेला स्थलों एवं जुलूस मार्गों की सड़कों को दुरुस्त कराने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। प. मु. ख



मेला स्थलों पर एंबुलेंस एवं स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई के समुचित इंतजाम कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग को त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। जिलाधिकारी ने अग्निशमन एवं विद्युत सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए कि संबंधित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की जाए तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप एनओसी जारी करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए निर्देश बैठक में पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।

घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग कराने के साथ ही वश्यकतानुसार नाव एवं गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सके। उन्होंने अवैध आतिशबाजी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा आतिशबाजी के भंडारण स्थलों पर निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं, जिससे जनपद में त्योहार शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सकें। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुर्कीत माधव, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट ज्योरे लाल मौर्य, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी (सीओ), अधिशासी अभियन्ता विद्युत सहित समस्त संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिला आयोग सदस्या पुष्पा पांडे ने शरणालय में बांटी खुशियां

संवासनियों को मिले वस्त्र और उपहार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली । राजकीय महिला शरणालय में इस बार दीपावली की रौनक समय से पहले ही बिखर गई। अवसर था-‘मिशन शक्ति फेज-6’ और ‘सेवा संकल्प अभियान’ का, जिसके तहत शरणालय की संवासनियों के बीच खुशियों और उत्सव का वितरण किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे ने शरणालय पहुंचकर संवासनियों को वस्त्र, पौष्टिक खाद्य सामग्री और दीपावली पूजन व सजावट का सामान वितरित किया। जैसे ही



हाथों में नए कपड़े और दीवाली का सामान आया, शरणालय की संवासनियों की आंखें भर आईं और चेहरे खिल उठे। इस खास मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा और राजकीय महिला शरणालय की

अधीक्षिका छाया बड़बड़ मौजूद रहीं। अधिकारियों ने आयोग की सदस्या का स्वागत किया और शरणालय में महिलाओं के पुनर्वास, सुरक्षा और देखभाल से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं का ब्योरा साझा किया।

धर्मेन्द्र कश्यप की गैरमौजूदगी ने गरमाई बरेली की सियासत



नहीं दिखे उद्घाटन समारोह में महंत अमृत दास खाकी जी महाराज, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गविजय शाक्य, बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह और महामंत्री सुभाषिनी जायसवाल सहित कई

जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। यही नहीं, धर्मेन्द्र कश्यप के खास समर्थक माने जाने वाले रामप्रसाद कश्यप, अनिल कश्यप और अर्जुन कश्यप भी समारोह में शामिल हुए। लेकिन हर साल मेले में बढ़-चढ़कर शिरकत करने वाले पूर्व सांसद

और उनकी बेटी का न पहुंचना हर किसी को खटक गया। हाल ही में धर्मेन्द्र कश्यप के सपा सुप्रोमो अखिलेश यादव से मिलने और पार्टी बदलने की अटकलों का बाजार गर्म रहा है। ऐसे में इस बड़े सार्वजनिक मंच से उनकी दूरी को सीधे तौर पर बदलते राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, कश्यप परिवार की ओर से अनुपस्थिति का कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। धार्मिक मंच पर छपे नाम के बावजूद धर्मेन्द्र कश्यप की यह दूरी महज इत्तेफाक है या कोई बड़ा सियासी संकेत, इसका जवाब अब केवल पूर्व सांसद के आधिकारिक बयान के बाद ही साफ हो सकेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

काम में सुधार लाओ या कार्रवाई भुगतो-सामूहिक विवाह और स्कूलों के निर्माण पर तनी भूकूटि - डीएम



क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को विकास विभाग के सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। बैठक शुरू होते ही जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग पिछली बार से खराब होने पर गहरी नाराजगी जताई। डीएम ने दो टूक शब्दों में कहा कि सभी संबंधित अधिकारी तत्काल योजनाओं की प्रगति में सुधार लाएं और रैंकिंग बेहतर करने के लिए ग्राउंड लेवल पर प्रभावी कदम उठाएं। समीक्षा के दौरान जब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की फाइल खुली, तो रैंकिंग में गिरावट देख डीएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि जल्द से जल्द सामूहिक विवाह की अगली तारीख तय की जाए और पात्र जोड़ों का शत-प्रतिशत विवाह संपन्न कराया जाए। डीएम ने स्पष्ट कहा- इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, पीडी डीआरडीए चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, बीएसए डॉ. विनीता और डीआईओएस अजीत सिंह सहित तमाम विभागों के बड़े अफसर मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने साफ कर दिया है कि अफसर अपनी टेबल से निकलकर फील्ड में जाएं, योजनाओं की निरंतर मॉनिटरिंग करें और समय रहते कमियों को दूर करें, ताकि बरेली सीएम डैशबोर्ड पर फिर से अव्वल नजर आ सके।

विधानसभा चुनाव 2027 में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी जनहित क्रांतिकारी पार्टी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में जनहित



क्रांतिकारी पार्टी ने भी चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय प्रकाश राम चरण डागौरी ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना, सांप्रदायिकता का मुकाबला करना और प्रदेश का चहुंमुखी विकास करना है। बुधवार को सिविल लाइंस स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि देश और प्रदेश में नफरत की राजनीति का प्रभाव बढ़ रहा है। इससे सामाजिक भाईचारे और सद्भावना पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को भी प्रमुख समस्याएं बताते हुए कहा कि इन मुद्दों को लेकर उनकी पार्टी जनता के बीच जाएगी। डागौरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पार्टी की ओर से कुछ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम भी घोषित किए गए हैं। पार्टी की ओर से घोषित सूची में जगदीश भारती (दयालबाग), डेनियाल सेनानायक (आगरा उत्तर), एलएम प्रेमखेजी (एटा), डॉ. शिवाजी (जलेश्वर), देवेंद्र सिंह (मारहरा), अनिल कुमार (पूरनपुर-129), सतीश गंगवार (बहेड़ी-118), विमल हलधर (बदखड़ा-128), सुंदरलाल (नवाबगंज), हिना राही (पीलीभीत), प्रेमशंकर (बरेली), जेपी डागौरी (हाथरस), अकज कुमार (बीसलपुर), मौनू (सहारनपुर) और रवि धिगान के नाम शामिल हैं।

रोड चौड़ीकरण की मांग को लेकर मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत को दिया ज्ञापन, मौजूदा निर्माण कार्य रुकवाया

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे में सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। लोगों ने सड़क की पर्याप्त चौड़ाई सुनिश्चित करने के बाद निर्माण कार्य कराने की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने मौजूदा स्थिति में हो रहे सड़क निर्माण कार्य को भी रुकवा दिया। रामपाल सिंह की आरा मशीन से ओमपाल फौजी के मकान तक सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि इस मार्ग के चौड़ीकरण की आवश्यकता है, लेकिन सड़क के किनारे की सरकारी भूमि को चकरोड से संबंधित बताते हुए उसमें मिट्टी डाल दी गई है।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए तीन महिलाओं को कलेक्टर ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान शासकीय कार्यों का उत्कृष्ट संपादन करने तथा जिले की उपलब्धियों को राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर पर पहचान दिलाने वाली तीन महिला अधिकारियों- कर्मचारियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शासकीय दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी, नवाचार और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ निर्वहन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का कार्य अन्य के लिए प्रेरणादायी है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने भारमुक्त होने वाली जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ) सुश्री राखी रघुवंशी द्वारा जिले में खाद वितरण व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। जिले में अपनाई गई खाद वितरण व्यवस्था का राष्ट्रीय स्तर पर अनुसरण किया जाना जिले के लिए गौरव की बात है। कलेक्टर ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में जिले की सभी शासकीय आईटीआई में पहली बार शत-प्रतिशत दाखिले की उपलब्धि हासिल करने वाली प्राचार्य एवं



नोडल अधिकारी सुश्री कविता रघुवंशी को प्रशंसा पत्र भेंट किया गया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित होना युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सुश्री रघुवंशी के प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के शत-प्रतिशत उचित समाधान तथा प्रकरणवार समुचित जानकारी की प्रभावी प्रस्तुति के लिए सामाजिक न्याय विभाग की लिपिक श्रीमती मालती लोधी की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनविश्वास अभियान का मूल उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान कर शासन की सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाना है।

IVRI स्टाइपेंड को लेकर भूख हड़ताल तेज , एक छात्रा की तबीयत बिगड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर बीवीएससी एवं एएच के छात्रों का आंदोलन उग्र हो गया है। कई दिनों से धरने पर बैठे छात्रों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंगलवार शाम अनशन के दौरान एक छात्रा का ब्लड ग्लूकोज लेवल 40 तक गिरने से उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसे तुरंत परिसर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रमुख मांग- 12 महीने तक 25,000 मासिक स्टाइपेंड छात्रों का कहना है कि



साढ़े चार साल की पढ़ाई के बाद 12 महीने की इंटरशिप अनिवार्य होती है। उनकी मांग है कि इस पूरी अवधि में प्रत्येक छात्र को 25 हजार रुपये प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाए। कई दौर की वार्ताओं के बावजूद प्रशासन से लिखित आश्वासन न मिलने के कारण छात्र हटने को तैयार नहीं हैं। एबीवीपी ने

कृषि मंत्री को भेजा पत्र, संघ ने दी कोर्ट जाने की सलाह ?उत्तर प्रदेश पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने धरना स्थल पहुंचकर छात्रों को हाई कोर्ट में याचिका दायर करने की सलाह दी। वहीं, एबीवीपी के महानगर सहमंत्री आयुष शर्मा ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी को पत्र भेजकर छात्रों की समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की है। दूसरी ओर, आईवीआरआई प्रशासन से संपर्क की कोशिशों के बाद भी उनकी प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

धूमधाम से निकली श्रीराम बारात, रामलीला मंच पर साक्षी-सचिन बंधे विवाह बंधन में

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे में चल रही रामलीला के दौरान मंगलवार को भगवान श्रीराम की बारात धूमधाम से निकाली गई। बारात में एक दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिसमें श्रीराम लक्ष्मण की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बारात जानकी देवी इंटर कॉलेज से शुरू होकर मुख्य बाजार, लोधी नगर चौराहा और शाही रोड होते हुए रामलीला मैदान पर संपन्न हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए जगह जगह महिला पुरुषों ने फूल की वर्षा करके बारात का स्वागत किया। रामलीला कमेटी ने मंच पर एक जोड़े का विवाह भी संपन्न कराया। बरेली मणिनाथ निवासी राजा सागर के पुत्र सचिन सागर का विवाह फतेहगंज पश्चिमी निवासी प्रमोद सागर की पुत्री साक्षी सागर से हिंदू रीति-रिवाज से कराया गया। पंडित वेदप्रकाश



शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रस्में पूरी कराई।डबल बेड, अलवारी,बर्तन, कूलर आदि दहेज कमेटी ने दान किया तब निर्वाचित राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार ,विधायक डीसी वर्मा,जिलापंचायत सदस्य ममता गंगवार ने वैवाहिक बंधन में जुड़े जोड़े को आशीर्वाद दिया।

रामलीला मेला कमेटी अध्यक्ष ओमेंद्र चौहान, संजय सिंह चौहान मंत्री महिपाल सिंह, पूर्व चेयरमैन सरजू यादव, कमल गुप्ता व्यापार मंडल के जिला मंत्री जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और नवदंपती को आशीर्वाद दिया।

विधानसभा चुनाव से पहले सपा को तगड़ा झटका: कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी समेत 3 विधायक भाजपा में शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच /निरज कुमार/ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। बुंदेलखंड से लेकर अवध तक सियासी समीकरणों को बदलते हुए जालौन की कालपी विधानसभा सीट से सपा विधायक विनोद चतुर्वेदी सहित तीन विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। अमेठी जनपद के गौरीगंज में आयोजित एक विशाल राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तीनों विधायकों को पार्टी का पटका पहनाकर विधिवत सदस्यता ग्रहण कराई। कालपी में सपा



को बड़ा नुकसान, कार्यकर्ताओं में हलचल जनपद जालौन की कालपी सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुने गए विनोद चतुर्वेदी का भाजपा में जाना सपा के लिए बुंदेलखंड में एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। गौरीगंज के मंच पर जब विनोद चतुर्वेदी अन्य दो विधायकों के साथ भाजपा में

भमोरा में एनसीसी कैडेट्स और महिला पुलिस ने निकाली जागरूकता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली, भमौरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे %मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत बुधवार को थाना भमोरा क्षेत्र में नारी सुरक्षा और सशक्तिकरण की गूंज देखने को मिली। बाबा रामदास पीजी कॉलेज, सैदपुर कैनी में महिला पुलिसकर्मियों और महिला



एनसीसी कैडेट्स के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से छात्राओं और आम नागरिकों को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता गोष्ठी में मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को उत्पीड़न

खाद्य सुरक्षा सैंपलिंग पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा: दुकानदार नहीं, मिलावट के लिए कंपनी हो जिम्मेदार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। खाद्य सुरक्षा विभाग की सैंपलिंग प्रक्रिया और कथित मनमानी के खिलाफ छोटे व थोक व्यापारियों में भारी नाराजगी है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश ने उत्पीड़न रोकने और सैंपलिंग में पारदर्शिता लाने की मांग को लेकर एसडीएम कुमारी पूनम भास्कर को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने प्रशासन के सामने प्रमुख मांगें रखीं-निर्माता पर हो सीधी कार्रवाई दुकानदारों का तर्क है कि वे सीलबंद माल बिल के साथ खरीदते हैं। इसलिए पैकेटबंद सामान में मिलावट या खामी मिलने पर निर्माता कंपनी को पक्षकार बनाया जाए और फॉर्म-5 की सूचना तुरंत भेजी जाए। समय पर मिले जांच रिपोर्ट=



नियमानुसार रिपोर्ट 14 दिनों में मिलनी चाहिए, जबकि इसमें महीनों लग जाते हैं। सरकारी लैब तय समय सीमा में रिपोर्ट जारी करें। अंतिम रिपोर्ट से पहले जब्ती पर रोक; केंद्रीय लैब की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले माल नष्ट या जब्त करने पर रोक लगे, ताकि व्यापारियों को बेवजह आर्थिक नुकसान न हो। मामूली मामलों में समझौता= छोटे मामलों में

दो बाइक टकराने से एक बाइक पर सवार एक मासूम समेत तीन लोग गंभीर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।हाइवे से कस्बा को जाने वाले मुख्य मार्ग पर एक बैंकेट हॉल के सामने आने सामने से दो बाइक टकराने से एक बाइक पर सवार एक मासूम समेत तीन लोग गंभीर घायल हो गए।पुलिस ने उन्हें एम्बुलेंस के द्वारा बरेली अस्पताल भेज दिया।दूसरी बाइक सवार युवक बाइक छोड़कर फरार हो गया।



जानकारी के मुताबिक बुधवार को गांव ठिरिया खेतल निवासी समसेर खान पत्नी बच्ची अक्सर नूर के साथ बाइक के द्वारा स्थानीय कस्बा को जा रहा

था।कस्बा को हाइवे से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर एक बैंकेट हॉल के पास उनकी बाइक सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टकरा गई।हादसे में वह तीनों घायल हो गए। उनकी गंभीर हालत देखकर मौका पाकर दूसरा बाइक सवार फरार हो गया।सूचना पर पहुंची 112 यूपी पुलिस ने उन्हें एम्बुलेंस के द्वारा अस्पताल भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार नशे के अवैध कारोबार से अर्जित लगभग 2 करोड़ की संपत्ति SAFEM न्यायालय द्वारा फ्रीज

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी महोदय नानपारा श्री चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा श्री हरेन्द्र कुमार मिश्र एवं औषधि निरीक्षक बहराइच के नेतृत्व में नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। दिनांक 30.06.2026 को थाना रूपईडीहा क्षेत्रांतर्गत नगर पंचायत रूपईडीहा स्थित बिना लाइसेंस संचालित आदर्श आयुर्वेदिक औषधि पसल (स्टोर) से अवैध रूप से बिक्री हेतु रखी गई कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं नींद लाने वाली डायजापाम जैसी दवाओं की भारी मात्रा में बरामदगी की गई थी। उक्त प्रकरण में स्टोर संचालक आदित्य कुमार मिश्रा पुत्र कृपाराम मिश्रा, निवासी स्टेशन रोड, नगर पंचायत रूपईडीहा, जनपद बहराइच के विरुद्ध थाना रूपईडीहा पर मु0अ0सं0-168/2026, धारा 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट, धारा 278 बीएनएस तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। प्रकरण की विवेचना के दौरान प्रकाश में आया कि नशे के अवैध कारोबार से अर्जित धनराशि से विगत छह वर्षों में स्वयं एवं अपने परिजनों के नाम पर लगभग ₹56.92 लाख मूल्य की संपत्तियां ऋय की गई थीं, जिनका वर्तमान अनुमानित मूल्य लगभग ₹2 करोड़ है। उक्त संपत्तियों को फ्रीज किए जाने हेतु म्रश्चक, ऋ एवं हृषक, ऋ के अंतर्गत सक्षम न्यायालय, दिल्ली में वाद दायर कर कार्यवाही का अनुरोध किया गया। प्रकरण में दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा संबंधित संपत्तियों को फ्रीज करने का आदेश पारित किया गया। इस कार्यवाही के उपरांत आदेश के अधीन संपत्तियों का विक्रय एवं हस्तांतरण प्रतिबंधित रहेगा तथा उनका उपयोग आदेश एवं लागू विधिक प्रावधानों के अधीन होगा। उक्त कार्यवाही अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा समाज के युवा वर्ग को नशे की लत से बचाने में सहायक है।

विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज 6 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई मिशन शक्ति फेज 6 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाइन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।।

खाद्य सुरक्षा नियमों के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं, व्यापार मंडल ने उठाई 15 मांगें!

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल (पंजीकृत) ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत व्यापारियों को आ रही समस्याओं और कथित उत्पीड़न के मामलों को लेकर केंद्रीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन भेजा है। संगठन ने खाद्य पदार्थों के नमूने लेने, जांच रिपोर्ट जारी करने, सैंपल फेल होने पर कार्रवाई और अपील की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने सहित 15 प्रमुख मांगें उठाई हैं। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अकरम खान ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के मानकों का पालन जरूरी है, लेकिन इसकी आड़ में व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि व्यापारियों को अनावश्यक आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना न करना पड़े। संगठन ने नमूना लेने से लेकर जांच रिपोर्ट आने तक की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने की मांग की है। व्यापार मंडल ने मांग की है कि खाद्य पदार्थों के सैंपल की जांच रिपोर्ट निर्धारित समय में उपलब्ध कराई जाए। संगठन का कहना है कि सैंपल की रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने से व्यापारियों को लंबे समय तक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके मान सम्मान और सरकारी योजनाओं के बारे में कराया जागरूक



क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा को मिशन शक्ति फेस 6.0 के महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना

01 नवंबर को लगेगा मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर



क्यूँ न लिखूँ सच / राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के आदेशों के अनुपालन में आगामी 01 नवंबर 2026 को मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा।बुधवार को जनपद न्यायालय परिसर स्थित नवीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में न्यायिक शिविर समिति की अध्यक्ष सुश्री रिकू, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बदायूँ की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती गामिनी सिंगला व अन्य

दत्तक ग्रहण गृहों में बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर



क्यूँ न लिखूँ सच / अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला निरीक्षण समिति ने 13 अक्टूबर को जनपद में संचालित दो विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अधिकरणों का निरीक्षण किया। इस दौरान अनाथ एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के खानपान, स्वास्थ्य, देखभाल, सुरक्षा तथा गृहों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शासन द्वारा निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिए।राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अधिकरण के प्रबंधक एवं समन्वयक ने समिति को अवगत कराया कि वर्तमान में गृह में

चार बच्चे रह रहे हैं। सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा चुका है तथा उनका स्वास्थ्य सामान्य है। बच्चों से संबंधित कानूनी प्रक्रिया भी जारी है। वहीं, दलित ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा संचालित अधिकरण इकाई के सचिव अनूप सक्सेना ने बताया कि संस्था में विशेष आवश्यकता वाले दो बच्चे रह रहे हैं। उनका स्वास्थ्य सामान्य पाया गया है और उनसे संबंधित कानूनी प्रक्रिया भी प्रचलित है। उन्होंने दोनों दत्तक ग्रहण गृहों के अभिलेख सुव्यवस्थित रखने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित गृहों में निर्धारित

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- मिशन शक्ति में महिला हेल्पलाइन नंबर व्मैन पावर लाइन-1090

जिआरपी कार्यालय अनुभाग मुरादाबाद की विभिन्न शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /युस्फ / जीआरपी लाइन अनुभाग मुरादाबाद में सैनिक सम्मेलन एवं समस्त थाना प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी (क्राइम मीटिंग) कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक रेलवे, लखनऊ महोदय द्वारा जीआरपी कार्यालय अनुभाग मुरादाबाद की विभिन्न शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान वाचक कार्यालय, आंकिक शाखा, प्रधान लिपिक शाखा, सोशल मीडिया सेल, सीआईए, नियंत्रण कक्ष एवं क्षेत्राधिकारी रेलवे मुरादाबाद कार्यालय का भ्रमण कर कार्यों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों, पत्रावलियों एवं रजिस्ट्रों के रख-रखाव का अवलोकन करते हुए उन्हें अद्यावधिक एवं सुव्यवस्थित रखने तथा लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए एवं सोशल मीडिया सेल को जीआरपी की यात्री सहायता एवं जनहितकारी गतिविधियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वह 01 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में पहुंचकर पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता का लाभ प्राप्त करें। बैठक में समिति के सदस्य श्री राजवीर सिंह, विशेष न्यायाधीश, एससी/एसटी (पीए) एक्ट; श्री ऋषि कुमार, षष्ठम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, गैंगस्टर एक्ट; श्री अंकित रस्तोगी, अपर सिविल जज (सीनियर डिबीजन)/त्व्रित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी प्रशासनिक विभागों के साथ समन्वय विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि

मानकों का प्रभावी ढंग से अनुपालन कराया जाए। पुलिस उपनिरीक्षक इन्द्रपाल सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक, नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. सर्वेश कुमार, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निरंजन सिंह, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य प्रमिला गुप्ता, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर पाठक, सदस्य सविता मालपाणी, संस्थागत संरक्षण अधिकारी प्रीती कौशल, रवि कुमार, कांस्टेबल रवि कुमार, मुख्य आरक्षी यतेन्द्र कुमार एवं मुख्य आरक्षी बलजीत सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीआरपी कार्यालय अनुभाग मुरादाबाद की विभिन्न शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण



करने हेतु आधुनिक तकनीक एवं दृष्टि दूल्स का उपयोग कर सोशल मीडिया पोस्ट को अधिक आकर्षक, प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने तथा उनकी पहुँच अधिकाधिक लोगों तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए व नियंत्रण कक्ष में सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान एवं बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान श्री आशुतोष शुक्ला, पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद, श्री विश्वजीत सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे मुरादाबाद, श्री अशोक कुमार सिसौदिया, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे गाजियाबाद, श्री देवेन्द्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सहारनपुर सहित समस्त थानों के थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके उपरांत महोदय द्वारा जीआरपी लाइन अनुभाग मुरादाबाद में सैनिक सम्मेलन कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनकर उनके

मिशन शक्ति अभियान(फेज-6.0) के तहत लोगों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के तहत एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में समस्त थानों पर नियुक्त मिशन शक्ति टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है इसी दौरान मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/ कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पुलिस आपातकालीन सेवा-

निराश्रित महिला पेंशन योजना, ३0प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटा बचाओ-बेटा पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्रसन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दी गयी शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-

निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे हुए एवं प्रथम बार/युवा निर्वाचकों के नाम सम्मिलित किए जाने हेतु दिनांक 17 एवं 24 अक्टूबर को विशेष कैंप किए जाएंगे आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / मुख्य निर्वाचन अधिकारी ३0प्र० लखनऊ के पत्र दिनांक 13 अक्टूबर 2026 के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे हुए एवं प्रथम बार/युवा निर्वाचकों के नाम सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में दिनांक 17.10.2026 एवं 24.10.2026 को विशेष कैम्प आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय द्वारा समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देश दिये कि दिनांक 17 एवं 24 को होने वाले उक्त विशेष कैम्प दिवस में जनपद के प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी प्रातः 10 से अपराह्न 04 बजे तक उपस्थित रहे, बीएलओ के पास पर्याप्त संख्या में फार्म-6 तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 10.04.2026 को प्रकाशित अन्तिम निर्वाचक नामावली एवं समस्त पूरक सूचियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाये, कैम्प दिवस में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक हेल्प डेस्क बनायी जाये, प्राप्त फार्मों का अभिलेखीकरण सुव्यवस्थित ढंग से किया जाये, सभासद, ग्राम प्रधान, वॉलेन्टियर को उक्त के संबंध में अवगत कराते हुये सहयोग प्राप्त किया जाए।

निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात समस्त थाना प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी (क्राइम मीटिंग) आयोजित कर अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण तथा ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों में यात्री सुरक्षा की समीक्षा की गई व आगामी त्योहारों के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने, प्रभावी गश्त एवं चेकिंग बढ़ाने तथा रेलवे सुरक्षा से संबंधित अन्य इकाइयों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा थाने में उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों जैसे बाँडी वॉर्न कैमरा, टैबलेट, ब्ल्यूटूथ स्पीकर एवं अन्य उपकरणों के अधिकतम उपयोग करने के लिए निर्देशित किया गया एवं श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश महोदय द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किए गए ‘यक्ष’ ऐप की उपयोगिता एवं तकनीकी क्षमताओं के संबंध में जानकारी देते हुए उसके प्रभावी उपयोग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान आशुतोष शुक्ला, पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद, विश्वजीत पुलिस उपाधीक्षक रेलवे मुरादाबाद, अशोक सिसौदिया, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे गाजियाबाद, देवेन्द्र पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सहारनपुर सहित समस्त थानों के थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया इस दौरान साइबर जागरुकता अभियान के तहत साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम से बचाव हेतु जागरूक किया गया एवं सभी से अपील की गयी कि किसी अनजान व्यक्ति से अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर इत्यादि साझा ना करे।

संक्षिप्त समाचार

17 और 24 अक्टूबर को सभी 2859 बूथों पर लगेगे विशेष कैंप

क्यूँ न लिखूँ सच / विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत छूटे हुए एवं नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के संबंध में बुधवार को कलेक्ट्रेट

स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अभियान की जानकारी देते हुए पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए सहयोग करने की अपील की गई। बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र श्रीवास्तव ने बैठक में बताया कि जनपद बदायूँ के सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 2,859 मतदेय स्थलों पर 17 अक्टूबर (शनिवार) और 24 अक्टूबर (शनिवार) को विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप आयोजित किए जाएंगे। कैंप सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होंगे। इस दौरान संबंधित मतदेय स्थल के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहकर पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6 उपलब्ध कराएंगे तथा पंजीकरण संबंधी आवश्यक जानकारी देंगे। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सुधांशु शर्मा, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि अशोक यादव, बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह, जिला सचिव अरविन्द प्रधान, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह तथा कांग्रेस अध्यक्ष, बदायूँ के प्रतिनिधि नवनीत यादव ने सहभागिता की। प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 17 एवं 24 अक्टूबर को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें तथा नाम शामिल कराने की आवश्यकता होने पर बीएलओ से संपर्क कर फार्म-6 भरें।

अशोक नगर प्रवास पर आए प्रदेशमहासचिव बंसल जी का हुआ स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ अशोक नगर। भारतीय



श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के प्रदेश महासचिव साथी रामगोपाल बंसल जी एक दिन के प्रवास पर आज अशोक नगर रेस्ट हाउस में जिला इकाई अशोक नगर द्वारा भव्य स्वागत किया गया आज स्थानीय रेस्ट हाउस में प्रदेश महासचिव ने संगठन सम्बन्धी बैठक को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक साधियों को संगठन से जोड़ने हेतु सभी से आग्रह किया सभी साधियों से परिचयात्मक बैठक में अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन में एक जुटता का परिचय देते हुए जिले में संगठन का विस्तार करे। केंद्रीय अनुशासन समिति के अशोक शर्मा बड़े भैया प्रदेश सचिव कुमार सम्भव की विशेष उपस्थिति में प्रदेश महासचिव रामगोपाल बंसल जी का जिला अध्यक्ष विकास सोनी जिला महा सचिव बुन्देल गुर्जर ने शाल श्री फल से स्वागत किया इस अवसर पर पत्रकार साथी आशीष मालवीय समीर द्विवेदी शैलेन्द्र शर्मा मंदू महेंद्र ओझा कमलेश ओझा संजीव यादव चंद्र पाल बघेल सुनील तनेजा हरीश सेन अजय शर्मा राहुल जेन बन्धु शर्मा नीरज तिवारी मोहन कुशवाह सुशील कुशवाह राहुल जेन राजकुमार प्रजापति दिनेश जेन सहित साथी उपस्थित रहे

70 million children aged 5 to 9 are overweight. Learn about the major warning for parents in WHO's new guidelines.

The World Health Organization has issued new guidelines regarding the increasing obesity in children and adolescents. It emphasizes special caution and lifestyle modifications over medication or surgical treatment for and adolescents (aged 9 to 19) were aged 5 to 9, and 100 million between 10 8% since 1990. For the first time, the comprehensive guidelines for managing special caution regarding the use of nine years of age, and their use in very specific circumstances. Childhood requiring proper care to manage. non-communicable diseases such as type Health: Children and adolescents discrimination and bullying, which also controlling obesity is essential for well-being, and improved quality of life. including proper diet, physical activity, more vigilant. WHO does not loss surgery that involves altering the devices for children aged 0-9 years. For treatment is recommended only if lifestyle modifications have not yielded the desired results. Bariatric surgery may be considered for adolescents with severe obesity under certain conditions. The WHO Department of Nutrition and Food Safety states, "Treatment of obesity in children and adolescents should be based on interventions that enable them to adopt healthy eating habits, physical activity, and long-term behavior changes." Every child and adolescent should receive good care and a supportive environment from an early age to maintain a healthy weight. Problems such as anxiety, depression, low self-confidence, and emotional control, poor eating habits, lack of physical activity, and social isolation can worsen later on. Care should be person-centered, age-appropriate, and meet the needs of each child and family, while ensuring long-term follow-up and continuity. The new guidelines form part of a 'life-course approach' to obesity care.



children under 9 years of age. 170 million children found to be obese in 2024, with 70 million children and 19. Childhood obesity has increased from 2% to World Health Organization (WHO) has issued obesity in children and adolescents. It recommends weight-loss medications or surgery for children under adolescents aged 10 to 19 is only recommended in Obesity: Obesity is a chronic and recurrent disease, Childhood obesity increases the risk of developing 2 diabetes and heart disease. Impact on Mental struggling with obesity face problems such as impact their mental health. Preventing and children's healthy development, education, social WHO recommends improving their daily routine, and daily routine. Parents or caregivers need to be recommend medication, bariatric surgery (weight-stomach or digestive tract), or the use of weight-loss adolescents aged 10-19 years, approved medication

"If you say sorry, your child will get carried away!" This stubbornness of parents weakens relationships, leading to lifelong regret.

Parents make every effort to build a strong bond with their children, but when they themselves make mistakes, they forget that their own behavior can hurt their child. A genuine apology teaches their child that mistakes can improvement, every relationship can respect and trust. It's important to teaches children responsibility and her 12-year-old daughter, Riddhi, overexcited after a stressful day, took mistake, but she wasn't sure what to relationship with their children. our temper—whether it's due to a pang in our hearts. Many parents them feel weak. However, the reality doesn't diminish your authority; connection. Relationship repair is discipline and positive influence. whereas positive parenting involves you say to your child, "Son, I made

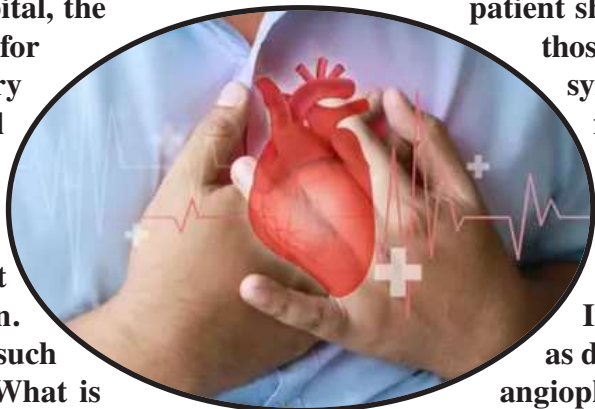


happen in relationships, but with love, respect, and be made beautiful again. Apologizing builds children's adopt an age-appropriate apology. Admitting one's mistakes empowers them. As soon as Deepti returned from the office, started talking about her school fungames. Riddhi, out all of Deepti's anger on her. Deepti knew she had made a do next. Every parent desires a strong, friendly, and trusting However, parenting often leads to moments when we lose work stress or a long day's fatigue. Yelling or scolding leaves fear that apologizing will diminish their authority or make is quite the opposite. A heartfelt apology from children rather, it deepens their respect, trust, and emotional essential—we often forget the difference between strict Strict discipline relies solely on control and command, love, sensitivity, clear boundaries, and accountability. When a mistake today. I shouldn't have yelled at you," you're not

losing your authority, but rather setting a good example for your child: humans make mistakes, and admitting your mistake and controlling your anger is true wisdom. Disagreements and tensions are natural in parenting. The key is how you repair that relationship. The approach depends on the age of the child. A child's thinking and understanding abilities vary at different ages. Therefore, your apology should also be appropriate for the child's age. If the child is 3 to 5 years old, the message should be short and simple. Young children don't need lengthy explanations. They only need security and comfort. Example: "I yelled loudly today, and you got scared. I'm sorry, son, I'm completely calm now." Children between the ages of six and 11 begin to understand the reasons. Here, you can admit your mistake and offer a way to improve. Example: "Today I was very upset about work, and I took it out on you." I shouldn't have done that. Next time I get angry, I'll take a break before talking.' Teenagers are very sensitive to fairness and self-esteem. They quickly catch excuses. So never say, 'I'm sorry, but you made me angry.' This makes your apology ineffective. In such a situation, take direct responsibility for your mistake and immediately demonstrate a change in your behavior instead of an apology. Say what's right - Being too harsh or yelling at children negatively impacts their mental health and behavior. When parents take responsibility for their mistakes, children learn to express themselves openly instead of hiding their feelings. Children learn to take responsibility instead of lying about their mistakes. They become more sensitive and compassionate towards others. Yes, you don't need to apologize for everything. Never apologize for setting proper rules and boundaries. If you ask your child to reduce screen time, go to bed at a reasonable time, or study, and the child gets upset, there's no need to apologize. When you lose your temper - first calm yourself down. Go to the child only after calming down. Accept your mistake without any excuse. 'I shouted at you and that was wrong.' Understand the impact it had on the child. 'You must have felt very bad and scared. Keep the apology separate from the original problem. 'We have to talk about your behavior, but my shouting was wrong.' Tell what you will do differently next time. 'Next time I get angry, I will wait for 5 minutes to calm down first.' Reassure the child. 'I love you, and even if I am angry, my love for you does not decrease. Change your behavior as per what you said.

Why are the first 2-3 hours after a heart attack the most precious? How costly can postponing angioplasty be?

Angioplasty can not only be life-saving in the event of a heart attack, but it can also help the patient return to normal life. It's not necessary that every heart patient needs angioplasty, nor should it be postponed where it's needed. Dr. Mohit Gupta (Director, Professor, Cardiology, GB Pant Hospital, New Delhi) explains that the best way to save the lives of patients who suffer an acute heart attack or who suddenly experience complications is to immediately transport them to the nearest hospital where angioplasty is available. If this facility is not available nearby and it takes more than two to three hours to reach a good hospital, the dissolving medication. Secondly, angioplasty should be considered for by medication, or for those with chronic stable angina or coronary Angioplasty can improve a patient's quality of life. It is essential percent, and the patient experiences difficulty performing normal necessary. If angina occurs during physical activity or after eating must be made jointly by the doctor and the patient. If a patient more appropriate option. Each patient's condition and treatment made only after a thorough assessment of their condition. established guidelines, while taking into account all risk factors such doctor's decision is made in the best interest of your health. What is



blocking blood flow to the heart. Angioplasty is a medical procedure that removes this blockage and saves lives. It uses a small balloon to open a narrowed or blocked heart artery. Stents are also used if necessary. Understand the ABCs of heart health... - To prevent heart attacks today, it is essential to take care of some simple things in everyday life. Access and alerts - The biggest problem today is that people are becoming careless about their health. Most people ignore the pain of a heart attack, mistaking it for gas pain. This can cause the attack to continue throughout the night. By the time they reach a doctor, the heart is already severely damaged. In such a situation, even angioplasty may not provide adequate relief. Therefore, the sooner medical monitoring begins in case of a heart attack, the better. Time is crucial, so be alert immediately if any symptoms appear. If you experience difficulty walking, shortness of breath while climbing stairs, or pain spreading to the jaw and hands, consult a doctor immediately. It is essential to keep both blood pressure and blood sugar under control. It is important to get your sugar levels checked regularly; those with a problem should get it checked at least once a week, and those without it should get it checked at least once every three months. Cholesterol and cigarette smoking: Uncontrolled cholesterol can pose a serious threat to your health. Keep it under control. Get a complete lipid profile done at least once a year. Cholesterol is a major risk factor for heart disease, causing blockages in the arteries. Similarly, cigarette use can be dangerous. Smoking of any kind can be fatal; avoid it. A balanced diet is essential for staying healthy. Ensure your diet includes adequate vegetables, pulses, nuts, seasonal fruits, etc. Also, avoid fried and fatty foods. These are very harmful to heart health. Exercise and stress management: Exercise at least 40 to 45 minutes daily, including walking. This adds 40 to 45 minutes to your lifespan. If you are not active daily, you are shortening your lifespan. Similarly, maintain emotional control, i.e., keep your stress under control. Stress has become a major cause of many problems in life. Control your anger and develop healthy habits.

"The Mask" actor Jim Carrey has secretly married his longtime girlfriend Min Ah A at the age of 64, settling down with his 33-year-old girlfriend Min Ah A.

Hollywood star Jim Carrey has married his longtime girlfriend Min Ah A. This is his third marriage. The Mask actor Jim Carrey has been dating Min Ah A for years. Jim Carrey's marriage has ended twice. Actor Jim Carrey, famous for "Dumb and Dumber" and "The Mask," has begun a new life. He has secretly married his longtime girlfriend Min Ah A. This is Jim Carrey's third marriage. He previously had two marriages that ended in short bursts. His first marriage was to Melissa Wummer, with whom he had an eight-year relationship and they had a daughter. He then married Lauren Holly, whose second marriage ended within a year. Jim Carrey's third marriage - Now, at the age of 64, Jim Carrey has married his girlfriend Min Ah A. On September 30th, 64-year-old Jim Carrey and 33-year-old Min Ah In began a new chapter in their lives by marrying in a private ceremony held in Los Angeles. They enjoyed this beautiful moment secretly. According to People, a spokesperson confirmed the couple's marriage. Currently, wedding photos have not been released, nor has the couple made any public announcement. The couple had been dating for four years. Jim Carrey and Min Ah In have been linked since 2022, but they kept their relationship private. However, it was only seven months ago that Jim Carrey first openly acknowledged his relationship with Min Ah In. He first introduced Min Ah In. Jim Carrey and Min Ah In were first seen together at the Cesar Awards in France in February of this year. During this ceremony, he thanked Min Ah In, calling her his "partner." After winning the award, he had said, "Thank you to my wonderful family, my daughter Jane and my grandson Jackson. I will always love you all. My wonderful partner Min Ah, thank you too." Not only this, Jim Carrey had also expressed his love for Min Ah. He had said, "Min Ah, I love you and finally, thank you to the funniest person I have ever met - my father Percy Joseph Carrey, who taught me the importance of love, generosity and laughter."



'Mr. Faizu' marries in Medina; wedding photos with his wife surface; eyes set on his lady love

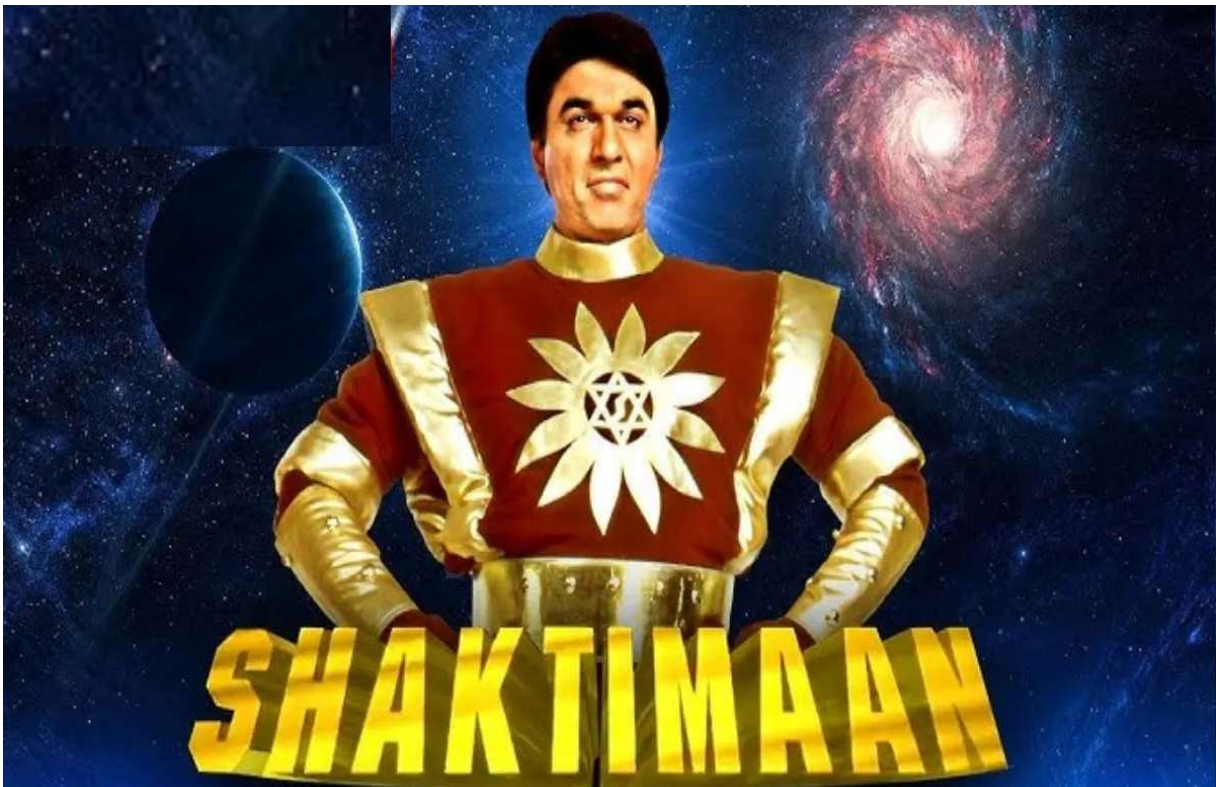


Faisal Shaikh, also known as Mr. Faizu, has tied the knot. He shared wedding photos from Medina. Faisal Shaikh, also known as Mr. Faizu, has married in Medina. Photos of Faizu's wedding with his wife have gone viral. Recently, rumors circulated that renowned digital creator and Khatron Ke Khiladi star Faizal Shaikh, also known as Mr. Faizu, was about to get married. Photos of his wedding have now surfaced. A wedding card appeared in a Yuvika Chaudhary vlog, revealing the names of Mr. Faizu and Tanya. Following this, Mr. Faizu was spotted with a woman. The YouTuber has finally confirmed his marriage by sharing photos from his wedding. Mr. Faizu marries in Medina - Mr. Faizu announced his marriage on Saturday. He married his partner in

Medina Sharif, Saudi Arabia. The YouTuber shared beautiful wedding photos on his Instagram account, showing him and his wife. The bride looked beautiful in a white wedding dress. The couple is seen tying the knot in front of the Medina Sharif. The couple is immersed in each other's love. The groom, Mr. Faizu, looks handsome in a white sherwani. His bride, also dressed in white, looks stunning. A red dupatta complements her. Faizu, too, couldn't take his eyes off his wife. Overjoyed, Mr. Faizu shared the photos on his Instagram account, captioning them, "And We created you in pairs" - Quran 78:8. Thank God for a dream come true. A wedding in the beautiful city of Medina, with my entire family by my side. This is a blessing that cannot be expressed in words. Faizu further said, "As we begin this beautiful journey together, please remember us in your prayers. May Allah bless our marriage with immense love and blessings. Ameen."

The "Superhero" show dominated Doordarshan for eight years, and was watched in every household at noon.

29 years ago, a superhero show premiered on Doordarshan TV, and ran for eight years. This show, which debuted 29 years ago, became Doordarshan's best-ever superhero show—a



favorite of every citizen. In the 90s, while the films of Bollywood's biggest superstars were making waves in theaters, a superhero show on Doordarshan TV generated immense craze. To watch this serial, everyone in every household would stop work at noon, and people would settle down in front of their television sets. Let's find out which superhero serial on DD National we're talking about, which entertained everyone for eight years. Doordarshan's Cult Superhero Show - The Doordarshan superhero show being mentioned in this article initially aired from 12:30 pm to 1:30 pm on Saturdays. During this hour, the streets of the country would become deserted, and everyone would turn on the TV to the Doordarshan channel to watch this serial. We're talking about Mukesh Khanna's Shaktimaan. Yes, Shaktimaan is one of the most popular superhero shows in the history of the small screen and a favorite of the audience. It created golden memories by entertaining everyone for eight years on Doordarshan. It is said that children were especially crazy about the show, and they would even skip school to watch it. Keeping this in mind, the makers of Shaktimaan changed its timing and started it every Sunday afternoon instead of Saturday, so that no child would miss school. In this way, there was a huge craze among the people for Mukesh Khanna's Shaktimaan show which aired on Doordarshan. The character of Shaktimaan is immortal - Even today the character of superhero Shaktimaan played by Mukesh Khanna is considered immortal. Shaktimaan started in the year 1997 and this show was telecast on Doordarshan till 2005. During this period, around 400 episodes of Shaktimaan were shown, which became the favorite of the people of the country. Dinkar Jani took charge of directing this show.